स.शि.प./जुलाइ ९९/ ५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा
सत्संग प्रवीण
प्रश्नपत्र – २

दोपहर २:०० से ५:००] (रविवार, १८ जुलाई, १९९९) **कुल अंक : १००**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाये गए हैं।

(विभाग - १ किशोर सत्संग प्रवीण)

प्र.१. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्य किसने, किससे तथा कब कहे हैं यह लिखें। ६

१. *''यह गढ़ तो हमारे काम का है, इसलिये आप किसी अन्य स्थल पर मन्दिर निर्माण करे।''*
२. *''कृतयुग से आप अखण्ड ब्रह्मचर्य का पालन कर रहे हो, इसलिये प्रसन्न होकर प्रगट भगवान आपके यहाँ पधारे हैं।''*
३. *''साधुओं के लिये 'सीधा' नहीं दिया, यह आपने अच्छा ही किया।''*
४. *''श्रीजीमहाराज को यहीं पर बुला लें, महाराज ने अपनी बहुत ही रक्षा की है।''*

प्र.२. निम्न लिखित में से किन्हीं दो प्रसगों को कारण सहित समजाईये। (बारह पंकितयोँ में) ८

१. *वजुभाई साधु हो गये।*
२. *महाराज ने गणिका को मुक्तानंद स्वामी के समान कल्याण किया।*
३. *कठलाल गाँव की सीवान के पास कुँआ के आसपास के वंशजों में आज भी सत्संग को आगे बढ़ा रहे है।*
४. *टरोरो में कालकूट जैसे असंख्य जीव सत्संगी हुए हैं।*

प्र.३. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर विवरण लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ८

१. *उकाखाचर।*
२. *साधु।*
३. *सोमला खाचर।*
४. *श्रीहरिलीलाकल्पतरु।*

प्र.४. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में लिखिए। ६

१. *तीर्थ से क्या अर्थ है ?*
२. *साधु के पंचवर्तमान लिखे।*
३. *वेदरस क्या है ?*
४. *सत्संगिजीवन के रचयिता कौन है ?*
५. *श्रीजी महाराज ने स्वयंप्रकाशानंद स्वामी की वचनामृत में क्या प्रशंसा की है ?*
६. *श्रीजीमहाराज ने कृष्णजी को दीक्षा देकर उनका नाम क्या रखा और उनको कहाँ भेजा ?*

प्र.५. निम्नांकित स्वामीकी बात पूर्ण कर के विवरण लीखिए अथवा वचनामृत का निरूपण करें। ५

नन्द राजा ने सम्पूर्ण पृथ्वी का .....

अथवा

गढडा प्रथम प्रकरण का ५४ वां .....

प्र.६. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर संक्षिप्त विवरण लिखिए। (पन्द्रह पंक्तियों में) ५

१. *सुहागिन स्त्रीयों का धर्म।*
२. *बंधिया गाँव के डोसाभाई।*
३. *महिमा।*

प्र.७. निम्नांकित में से किन्हीं तीन कीर्तन/श्लोक/अष्टक की पंक्तिर्यां को पूर्ण किजिए। ६

१. *प्रगट को भजी भजी ..... ओघ तत्काल जाशे।*
२. *श्वासेन साकम ..... शरणं प्रपद्ये।*
३. *व्हाला तारुं ..... मारां ओरियां रे लोल।*
४. *के दि देशो मा संसारी सुख ..... ईर्षा कांई।*
५. *निजात्मान् ..... सर्वदा॥*

(विभाग - २ गुणातीतानन्द स्वामी)

प्र.८. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरण, किसने, किसको तथा कब कहा है यह लिखिए। ६

१. *''जाओ, पहेले घर जलाकर आओ, इसके पश्चात् ही साधु करेंगे।''*
२. *''बेटी के बाप ! महाराज को क्यों पकड़ा है ? छोड़ दो।''*
३. *''हमारे यहाँ स्त्री और द्रव्य का त्याग है, इसलिये यह महंताई टिकी है।''*
४. *''स्वामी, हमारा बोला हुआ भूल जाना और क्षमा करना।''*

प्र.९. निम्नलिखित में से किन्हीं दो को कारण सहित समझायें।
(बारह पंकितयाँ में) ८

१. *गोदड़िया शांतानंन्द को एक बार भेट ने में भी महाराज को कठिनाई हुई।*
२. *स्वामी जिमने के पश्चात्, एक सेर मठ और जिम गए।*
३. *रधुवीरजी महाराज तीर्थवासी होकर, जूनागढ जाने को तैयार हुए।*
४. *स्वामीश्रीने रूपा के थाल में लकडी की पत्तर रखकर जिमा।*

प्र.१०. निम्नांकित में से किन्हीं दो विषयाँ पर विवरण लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ८

१. *वृत्ति का निरोध।*
२. *वेदान्तीयों की पराजय।*
३. *खारा जीव को मीठा किया।*
४. *स्वामी उपशम में।*

प्र.११. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। ५

१. *मुलजी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?*
२. *अपने हाथों से स्वामी के ललाट पर सुंदर तिलक का टीका करके श्रीजीमहाराज क्या बोले ?*
३. *स्वामी को कितने कीर्तन कंठस्थ थे ?*
४. *जूनागढ की महंताइ सौंपते समय महाराज ने स्वामी को क्या भेंट दी ?*
५. *सोरठ के सत्संग के बारे में स्वामी क्या कहते ?*

प्र.१२. निम्नलिखित किन्हीं दो प्रसंगो का वर्णन कर के भावार्थ लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) ८

१. *नि:स्वादी बनाया।*
२. *जीव की स्वच्छता।*
३. *श्रीजीमहाराज के साथ एकात्मभाव।*
४. *महाराज जामिन हुए।*

(विभाग - ३ 'सत्संग परिचय' परीक्षा की पुस्तकों पर आधारित)

प्र.१३. निम्नांकित में से किन्हीं तीन विषयों पर विवरण लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) २१

१. *अठारह को दीक्षा।*
   अथवा
   जालिया में अस्वस्थता।
२. *नित्यानंद स्वामी की सर्वोपरी निष्ठा।*
   अथवा
   आज्ञापालक दादाखाचर।
३. *बड़े रामबाई।*
   अथवा
   लक्ष्मीचंद शेठ।
४. *जूनागढ में अपूर्व सन्मान।*
   अथवा
   साधु का कसब।

* * *